भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

CELEBRATING 25 YEARS OF SERVICE TO THE NATION

स्वच्छता पखवाड़ा-2020

01 से 15 नवम्बर 2020

नागर विमानन प्रशिक्षण कॉलेज
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
बमरौली, प्रयागराज

विषय सूची

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	प्रधानाचार्य जी का संदेश	01
2.	महाप्रबंधक (संचार) का संदेश	02
3.	महाप्रबंधक (एटीएम) का संदेश	03
4.	स्वच्छता शपथ	04
5.	स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम (Introduction)	05
6.	नागरिकों हेतु जागरूकता कार्यक्रम	06-07
7.	Organizing of Nukkad Nataks	08-09
8.	Poster competition for K.V. students	10
9.	I am Swacchta Warrior	11
10.	India's Swacchta Legacy	12-14
11.	स्वच्छ जगत और हरियाली	15
12.	स्वच्छ भारत एक प्रयास	16-17
13.	परिवर्तन की सुनामी	18
14.	Clean India, Green India	19-21
15.	UNIVERSAL ACCESS TO MASKS AND SANITIZERS IN INDIA	22
16.	कविता	23-28
17.	एक कदम स्वच्छता की ओर	29-30
18.	Report on Swacch Survekshan 2020	31-33
19.	Cleanliness is an effortless Exercise	34-35
20.	पुरस्कृत कविताएँ	36-39
21.	पुरस्कृत लेख	40-47
22.	पोस्टर्स	48-51
23.	Social Media Outreach	52
24.	पुरस्कृत पोस्टर्स	53-63
25.	समापन समारोह	64
26.	स्वच्छ सीएटीसी परिसर	65

प्रधानाचार्य संदेश

स्वच्छता मानव समुदाय का एक आवश्यक गुण है। इसे भगवान की भक्ति से भी बढ़कर बताया गया है। निःसंदेह स्वच्छता हमारे जीवन की आधारशिला है। मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक एवं सामाजिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता का होना नितांत आवश्यक है। भारतीय संस्कृति में यह मान्यता है कि जहाँ साफ-सफाई रहती है वहाँ लक्ष्मी जी का वास होता है। लोक पर्व दीपावली के अवसर पर घर की साफ-सफाई करना इसी तथ्य को प्रमाणित करता है।

भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'स्वच्छ भारत अभियान' के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए इस कार्यालय द्वारा दिनांक 01/11/2020 से 15/11/2020 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन किया गया और इस दौरान स्वच्छता संबंधी विषयों पर पोस्टर, कविता लेखन, निबंध लेखन जैसी प्रतियोगिताओं एवं प्रयागराज के महत्वपूर्ण स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के आयोजन तथा आकाशवाणी आदि माध्यमों का प्रयोग करते हुए स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। अपने कार्मिकों एवं प्रयागराज के निवासियों को अपेक्षित संदेश दे पाने में हम कामयाब अवश्य हुए हैं परन्तु लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के हमारे इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर है कि इसके माध्यम से प्रसारित संदेश को हम कितना महत्व देते हैं और उसका अपने जीवन में कितना अनुपालन करते हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों तथा लेखों, कविताओं व पोस्टरों आदि को शामिल करते हुए ई.पत्रिका का प्रकाशन किया जाना सराहनीय कार्य है। कोरोना काल में ऑनलाइन माध्यमों ने संदेशों के आदान-प्रदान तथा हमें आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह ई.पत्रिका भी उसी का एक हिस्सा है। अन्य विभिन्न माध्यमों की ही तरह इस ई.पत्रिका के माध्यम से भी स्वच्छता संबंधी संदेश को लोगों तक पहुँचाने व उन्हें जागरूक करने में सहायता प्राप्त होगी। ई.पत्रिका के प्रकाशन कार्य से जुड़ी सम्पूर्ण टीम इसके लिए बधाई की पात्र है।

(अतुल दीक्षित)
कार्यपालक निदेशक/प्रधानाचार्य

महाप्रबंधक (संचार) का संदेश

महात्मा गांधी जी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था। उन्होंने "स्वच्छ भारत" का सपना देखा था जिसके लिए वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए, 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया और इसके सफल कार्यान्वयन हेतु भारत के सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य केवल आसपास की सफाई करना ही नहीं है अपितु नागरिकों की सहभागिता से अधिक-से अधिक पेड़ लगाना, कचरा मुक्त वातावरण बनाना, शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराकर एक स्वच्छ भारत का निर्माण करना है। देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ भारत का निर्माण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वच्छ भारत की तस्वीरें भारतीयों के लिए अक्सर शर्मिंदगी की वजह बन जाती है इसलिए स्वच्छ भारत के निर्माण एवं देश की छवि सुधारने का यह सही समय एवं अवसर है। यह अभियान न केवल नागरिकों को स्वच्छता संबंधी आदतें अपनाने बल्कि हमारे देश की छवि स्वच्छता के लिए तत्परता से काम कर रहे देश के रूप में बनाने में भी मदद करेगा |

सभी कर्मचारियों से मेरा विनम्र निवेदन है कि स्वच्छता के इस अभियान में यूहीं सहयोग करते रहें और अन्य लोगों को भी प्रेरित करें| स्वच्छता को अपने जीवन का एक अभिन्न अंग बना लें।
धन्यवाद।

(शरणागत श्रीवास्तव)

महाप्रबंधक (एटीएम) का संदेश

बहुत प्रसन्नता की बात है कि हमारे कार्यालय में दिनांक 01/11/2020 से 15/11/2020 तक मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों तथा स्वच्छता पर आधारित लेख, कविता, पोस्टर, पेंटिंग्स आदि को समाहितकरते हुए एक ई. पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। ई. पत्रिका के माध्यम से हम सम्पन्न गतिविधियों कीसूचना एवं लेख, कविता, पोस्टर व पेंटिंग्स आदि के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेश लोगों तक पहुँचा कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक कर पाने में सफल होंगे।

स्वच्छता को हमें अपनी आदत में शामिल करना चाहिए। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम अपने आस-पास गंदगी न होने दें और यदि आस-पास कहीं गंदगी दिखाई दे तो उसे साफ करने/करवाने के लिए तत्पर रहें। अपने प्रयासों से ही हम अपने आस-पास के वातावरण को एवं सम्पूर्ण रूप से पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित रख सकते हैं। देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह स्वच्छता के प्रति जागरूक और गंभीर हो तथा इसके महत्व को समझे। अपने घर के साथ-साथ अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखकर हम अपने और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने के साथ-साथ और भी कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। आइए आज हम यह प्रण करें कि स्वच्छता को अपनी आदत में शामिल करेंगे।

ई.पत्रिका के प्रकाशन कार्य में लगी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।
इस प्रयास से लोगों के बीच स्वच्छता के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा तथा जागरूकता फैलेगी। कार्यालय में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के मूल संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में इस माध्यम की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

(विक्रम कपूर)

Swacchta Pledge

Awareness through different means is essential for successful implementation of Swachh Bharat Mission at the institute level. This year Swacchta Pakhwada started with a swachhata pledge on 01.11.2020 which was administrated among the instructors, trainees, and staff members reiterating their commitment and involvement to 'Swachh Bharat Mission' focusing on making cleanliness and hygiene an integral part of our life, a lesson learnt during COVID Pandemic.

It has strengthened us and empowered us in the fight against corona and we need to continue this habit of cleanliness was mentioned by Modi ji also during inauguration of Rashtriya Swachhata Kendra in Delhi.

Around a staff of 150 with more than 200 workers working in campus took the pledge to continue maintaining their surrounding areas clean and hygienic and to give special focus on COVID Protocols to prevent the spread of pandemic and make a contribution towards Swacchta as well.

Shri Atul Dikshit, Executive Director/ Principal of CATC gave the overview of the swachhta mission and the activities which will be carried out throughout this Swachhta Pakhwada from 01st to 15th November 2020 maintaining Covid protocols.

Introduction

One of the most relevant and visible missions to have been launched in India in recent times is the Swachh Bharat Mission. Within a few months of the Hon'ble Prime Minister flagging it off, it was felt that the action should not be just restricted to the sanitation Ministries and Departments, but would have to be spread out more widely and deeply for it to realize its revolutionary potential.

And thus was born the concept of the Swachhata Pakhwada. The Swachhata Pakhwada gives every Ministry the responsibility to host and embrace cleanliness activities during a fortnight or pakhawada. During these 15 days, the concerned ministries are urged to come up with long-term solutions, meaningful interventions and sustainable responses within their respective domains. Every year the response from each ministry is immense. Each and every Ministry and Department not only participates enthusiastically, several innovative strategies are also coined that would be cornerstones of a cleaner and brighter India. The Swachhata spirit continues to bloom across the country as the Swachhata Pakhwada drive gains momentum. The humble volume of youth participation, government sectors, general public, students etc. every year stands as a testimonial to their commitment towards a better nation.

Awareness activities for citizens

In view of COVID Protocols, a new initiative for sensitizing general public of Prayagraj was taken this year by CATC. In order to remind and request the public of Prayagraj following steps were taken :

Displaying of messages by CATC on LEDs installed at Traffic signals and prominent places by Prayagraj Development Authority

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
गाँधी जी ने दिया सन्देश, स्वच्छ रखो भारत देश ।
स्वच्छता का करोगे जब काम, विकसित राष्ट्रों में आएगा अपना नाम ।।
कोरोना से बचाव के उपाय:
6 गज की दूरी, मास्क है ज़रूरी
समय समय पर साबुन से हाथ धोना एवं सैनिटाइजर का प्रयोग
भीड़ भाड़ वाली जगह में जाने से बचे
खांसी, जुखाम, बुखार में तुरंत डॉक्टर से मिले
हाथ मिलाने के जगह नमस्कार करें
नागर विमानन प्रशिक्षण कॉलेज
Civil Aviation Training College
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण/ Airports Authority of India
बमरौली, प्रयागराज

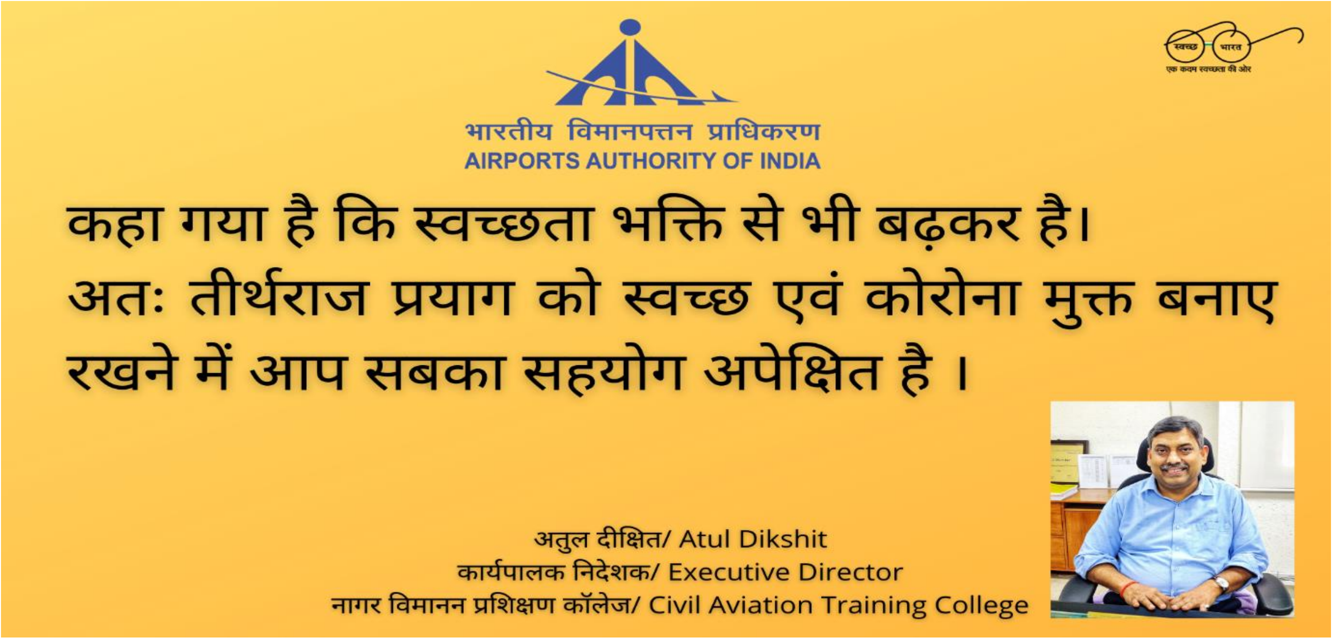
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
कहा गया है कि स्वच्छता भक्ति से भी बढ़कर है।
अतः तीर्थराज प्रयाग को स्वच्छ एवं कोरोना मुक्त बनाए रखने में आप सबका सहयोग अपेक्षित है ।
अतुल दीक्षित/ Atul Dikshit
कार्यपालक निदेशक/ Executive Director
नागर विमानन प्रशिक्षण कॉलेज/ Civil Aviation Training College

Organizing of Nukkad Nataks in Prayagraj

Organizing of Nukkad Nataks in Prayagraj

नुक्कड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश

नागर विमानपत्तन प्रशिक्षण कॉलेज व भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से नुक्कड़ नाटक का मंचन

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

सिविल लाइंस बस स्टैंड पर किया गया अवेयर.

PRAYAGRAJ (6 Nov): नागर विमानपत्तन प्रशिक्षण कॉलेज व भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा 2020 के अन्तर्गत शुक्रवार को नुक्कड़ नाटक का मंचन हुआ.

सिविल लाइंस बस स्टैण्ड पर हुए नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को कोरोना संक्रमण से बचने और स्वच्छता को हमेशा अपनाने के लिए कलाकारों ने अपने अभिनय के जरिए जागरूक किया. कलाकारों ने हास्य और व्यंग्य के माध्यम से स्वच्छता और कोरोना का सामंजस्य स्थापित करते हुए लोगों को जागरूक किया. सिविल लाइंस बस स्टैंड पर हुए नुक्कड़ नाटक के मंचन के दौरान नागर विमानपत्तन प्रशिक्षण कॉलेज के कार्यपालक निदेशक अतुल दीक्षित एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सिविल लाइंस बस स्टैण्ड सीबी राम ने लोगों को स्वच्छता पर जोर देने की अपील की.

Poster Competition for Kendriya Vidyalay students
(Class 06th to 08th)

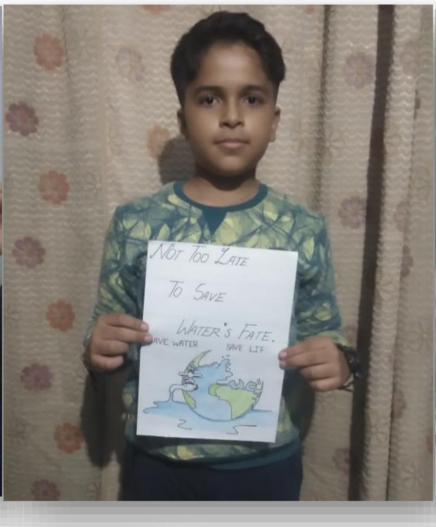

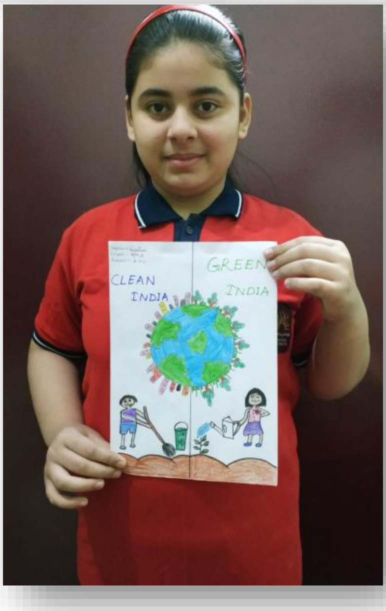

Selfie Point at CATC

#IamSwacchtaWarrior

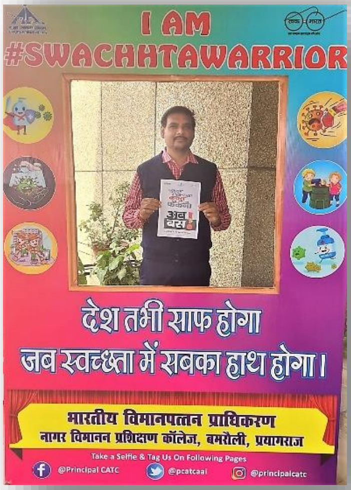

INDIA'S SWACHHATA LEGACY

There is verse in 'Manusmriti' which was written by the Manu Rishi, which says:

"Dhriti kshama dmosteyam shouchamindriya nigrahaa..
Dheer vidya satyamakrodho dashakam darma lakshanam.."

धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः।
धीर्विद्या सत्यमक्रोधो, दशकं धर्मलक्षणम् ॥

It means, if you want to practice Dharma, then you must follow 10 essential rules:

- Dhriti-Patience.
- Kshama-Forgiveness.
- Dama-Self control.
- Asteya-Honesty.
- Saucha-Cleanliness.
- Indriya Nigraha-Sense control.
- Dhee-Sense of reasoning.
- Vidya-Knowledge.
- Satya-Truthfulness.
- Akrodha-Ability to control your anger.

अर्थात:-

धैर्य, क्षमा, संयम, चोरी न करना, शौच (स्वच्छता), इन्द्रियों को वश में रखना, बुद्धि, विद्या, सत्य और क्रोध न करना ये दस धर्म के लक्षण हैं।

In this, the fifth rule is cleanliness (Swachhata).

In all the religions while one performs prayer or puja, swachhata is taken as an essential component to complete the process to connect the God or Parmatma.

India has glorious past in sanitation as the earliest flushed toilet system was reported during archaeological studies from Indus Civilization. Civilization in the Indus valley developed sophisticated, comfortable and hygienic lifestyle, as manifested from long term very efficient

Sewage systems, bathrooms and flushing toilets, which can only be comparted to the techniques developed in Europe and North America a century and half ago.

Indus civilization is credited for its first sewage system and automatic flushing toilets which used flowing water from rainwater, rivers or wells that safely sent waste into household terra cotta piping and, more often than not, to the covered drains and sewer systems of the cities. The risk of disease, foul odors and threats from insects and vermin were swept away below.

In the Vedic Era, cleanliness of body, mind and soul was paramount in Vedic times. The sages of that time realized that without clean surroundings and healthy bodies, worship and meditation were extremely difficult. Therefore, it became perfunctory that healthy and sanitary methods were practiced, in order to keep the environment healthy, drinking waters clean and the air fresh.

The ancient Rishis first taught that the world-and all that is within it-is composed of Divinity itself. In that light, they inspired the masses to respect, and even worship that Divinity through clean thoughts habits and actions.

The ancient and revered sage, Veda Vyasa, described cleanliness as that which is having to do with our bodies and surroundings, as well as within our minds.

Starting thousands of years ago, the great sages gave special instructions as to how we could best keep our bodies and surroundings clean when heeding the call of nature. The rationale is simple: excrement spreads disease, smells and distasteful appearances, defiling our drinking water, land and air. Understanding this, it is understandable that cleanliness formed a foundation of not just Hindu life but also in other great faith such as Islam, Buddhism, Sikhism, Jainism, Judaism, and Christianity.

In Islamic thoughts, Allah is responsible for all of nature (and also for withdrawing its bounties). Thus, it is a primary responsibility to care for it.

When Queen Victoria (1819-1901) was named Empress of India in 1877, sanitation in her native England had just begun to modernize. At the time, one of the biggest killers was cholera, which was slowly being recognized as a water-borne disease that necessitated improved sanitation to combat.

Mental health professionals often encourage their patients to keep their homes clean and tidy. Cluttered, dirty interiors can interfere with mental health and wellbeing and hamper the peaceful, mindful state that is encouraged by the Shambhala way of life. Shambhala Training is a series of secular meditation workshops, suited for both beginning and experienced meditators. One of the most important teachings of Buddha for everyday life, The Noble Eightfold Path, espouses values such as right effort, right mindfulness, and right concentration. It is interesting to note that keeping a home clean is intricately tied into many of these values.

The Jainism follow the ascetic model which advocates to the non-violence to animals, trees and self, combined with non-possessiveness which results in ecological awareness that creates an environment to minimize consumption of natural resources. This contributes to restoring and maintaining cleanliness and ecological balance.

Mahatma Gandhi was largely influenced by the ascetic model of Jainism which is reflected in his model of social economics and cleanliness.

~ Sh. A.K. Pathak
JGM (ATM)/ Chief- CDU

स्वच्छ जगत और हरियाली

एक है सपना, स्वच्छ रहें सब।
एक है सपना, स्वस्थ रहें सब।।

स्वच्छ जगत की जो अभिलाषा,
कैसे होगी पूरी आशा ?

धुयें से दूषित अंबर सारा।
आह भर रहा जल बेचारा।।

कौन करे वसुधा को बेहतर।
कहाँ छुपा है वह जादूगर ?

फिल्टर कर दे जहर जो सारा।
धरती माँ को कर दे न्यारा।।

सोचो तब, फिर करना क्या है ?
सोचो-सोचो करना क्या है ?

समाधान की खोज करें अब।
समझें, परखें, मिलकर हम सब।।

वृक्षों के भी समझो तुम गुण।
सोख रहे हैं, हवा के अवगुण।।

जल थल के दूषण के हर्ता।
वृक्ष धरा के हैं सुखकर्ता।।

वृक्ष हैं देते, शुद्ध हवा जब।
पावन-निर्मल, गगन-धरा तब।।

दिखता हरियाली में दम है।
हरियाली की राह सुगम है।।

वन, उपवन, खेतों से उपजी।
हरियाली जीवन की पूँजी।।

हरियाली को मित्र बनायें।
जितना हो, उतना अपनायें।।

~ सुमन भुटानी
सं.म.प्र. (संचार)

स्वच्छ भारत : एक प्रयास

कहते हैं काल एक पहिए की तरह है, अच्छा समय जाता है तो खराब समय आ जाता है और फिर कुछ समय बाद एक अच्छा समय आता है उसी प्रकार कुछ क्रियाएं समय के साथ अपना प्रारूप परिवर्तन करती हैं जिसका कारण होते हैं हमारे निजी स्वार्थ और एसी क्रियाएं समय के साथ अपना महत्व खो देती हैं जिसका परिणाम हमें काफी आगे जाने के बाद महसूस होता है और हम फिर उन क्रियाओं की तरफ जाते ऐसा ही एक क्रिया है स्वच्छता. अगर हम अपनी प्राचीन सभ्यताओं आकलन करें तो पाते हैं इन सभ्यताओं में स्वच्छता का अपना एक अलग प्रारूप था. सिंधु घाटी सभ्यता विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में से एक जिसमें समाज और समाज में स्वच्छता की अहमियत इस सभ्यता के इतिहास से मिलती है. इसमें जल निकासी प्रणाली सिंधु सभ्यता की आदित्य विशेषता थी जो अन्य किसी भी समकालीन सभ्यता से प्राप्त नहीं होती है. सड़कों के किनारे की नालियां ऊपर से ढकी होती थी घरों का गंदा पानी इन्हीं नालियों से होता हुआ नगर के मुख्य नाली में गिरता था.

समय के साथ हमने अपने निजी स्वार्थ के खातिर स्वच्छता के मापदंडों से छेड़खानी कर अपनी सहूलियत के अनुसार नए मापदंड बनाएअलग-जिन का दुष्प्रभाव समाज में होने वाली अलग . बीमारियों की उत्पत्ति और इन बीमारियों की वजह से समाज में होने वाले होने वाली अशांति रही.
इसलिए हमारे प्रजातंत्र में शीर्ष पर स्थापित पदाधिकारियों ने समाज की गलतियों को सुधारते हुए इस स्वच्छता क्रिया के लिए अलगअलग कदम उठाएं जो निम्न है- :

- वर्ष 1981-90 के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक में ग्रामीण स्वच्छता पर जोर देना शुरू किया गया.
- केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम (सीआरएसपी) का प्रारंभ वर्ष 1986 में राष्ट्रीय स्तर पर हुआ था और यह गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिये स्वास्थ्यप्रद शौचालय बनाने पर केन्द्रित था। इसका उद्देश्य सूखे शौचालयों को अल्प लागत से तैयार स्वास्थ्यप्रद शौचालयों में बदलना, खासतौर से ग्रामीण महिलाओं के लिये शौचालयों का निर्माण करना तथा दूसरी सुविधाएँ जैसे हैंड पम्प, नहान-गृह, स्वास्थ्यप्रद, हाथों की सफाई आदि था।
- गाँवों में उचित सफाई व्यवस्था जैसे जल निकासी व्यवस्था, सोखने वाला गड्ढा, ठोस और द्रव अपशिष्ट का निपटान, स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरुकता, सामाजिक, व्यक्तिगत, घरेलू और पर्यावरणीय साफ-सफाई व्यवस्था आदि की जागरुकता हो।

केंद्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम की खामियों और कम वितीय आवंटन के कारण स्व्छता जैसे कार्यक्रम का विशाल समस्या पर मामूली असर पड़ा। समुदाय आधारित जागरूकता पैदा करने के अभियान पर आधारित कुछ राज्य सरकारों के कार्यक्रमों और मूल्यांकन के आधार पर 1999 में पूर्ण स्वच्छता अभियान तैयार किया गया। पूर्ण स्वच्छता अभियान के लक्ष्यों के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन के सामान्य स्तर में सुधार, स्वच्छता वातावरण में सुधार, जागृति और स्वास्थ्य शिक्षा द्वारा मांग पैदा करना, ग्रामीण क्षेत्रों के सभी स्कूलों और आंगनवाड़ियों में स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराना व छात्रों तथा शिक्षकों में स्वास्थ्य संबंधी स्वच्छता की आदतों को बढावा देना, किफायती और उचित प्रौद्योगिकी विकास तथा उनके प्रयोग में लाने को प्रोत्साहित करना एवं पानी तथा गंदगी से फैलने वाली

बीमारियों को कम करने का प्रयास करना शामिल है।जून 2003 के महीने में निर्मल ग्राम पुरस्कार की शुरुआत हुई। यह एक प्रोत्साहन योजना थी जिसे भारत सरकार द्वारा 2003 में लोगों को पूर्ण स्वच्छता की विस्तृत सूचना देने पर, पर्यावरण को साफ रखने के लिये साथ ही पंचायत, ब्लॉक, और जिलों द्वारा गाँव को खुले में शौच करने से मुक्त करने के लिये प्रारंभ की गई थी।

पूर्ण स्वच्छता अभियान का नाम 2012 में बदल कर निर्मल भारत अभियान कर दिया गया था निर्मल भारत अभियान के तहत स्वच्छता के सात मुख्य आयाम हैं

- पीने के पानी का रखरखाव एवं सुरक्षित उपयोग,
- बेकार पानी की निकासी,
- मानव मल का सुरक्षित निपटान,

- घर एवं भोजन की स्वच्छता,
- ग्रामीण स्वच्छता

स्वच्छता के सात मुख्य आयाम को प्राप्त करने की प्रथम महत्वपूर्ण सीढ़ी खुले में शौच स्वपूर्ण मुक्ति एवं शत प्रतिशत स्वच्छकर ,जलबंध, लिच पिट शौचालय का प्रयोग। और उसके बाद स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत-02 अक्टूबर 2014 में हुई।

भारत को स्वच्छ बनाने के लक्ष्य के साथ देश की राजधानी नई दिल्ली के राजघाट पर गत 02 अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान के तीन लक्ष्य बताए गए थे –02 अक्टूबर 2019 तक

- हर परिवार को शौचालय सहित स्वच्छता-सुविधा उपलब्ध कराना,
- ठोस और द्रव अपशिष्ट निपटान व्यवस्था,
- गाँव में सफाई और सुरक्षित तथा
- पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराना।

एक तरफ जहां 2014 तक ग्रामीण स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया गया था वहां स्वच्छ भारत अभियान में देश के शहरों, कस्बों की सड़कों, बुनियादी ढांचे की साफसफाई को भी शामिल किया गया। ।-

भारत सरकार द्वारा अलगअलग समय पर कई स्वच्छता अभियान- ग्रामीण स्वच्छता एवं शहरी स्वच्छता को लेकर चलाए गए लेकिन धरातल पर देखा जाए तो अब भी जिन उद्देश्यों के साथ यह अभियान चलाए गए वह उद्देश्य काफी पैसे और काफी समय देने के बाद भी हम प्राप्त नहीं कर पाए हैं। भारत के कुछ प्रान्तों केरल, मिजोरम, लक्षद्वीप और सिक्किम में स्वच्छता अब कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि वहां स्वच्छता के मामले में शत प्रतिशत सफलता प्राप्त की जा चुकी है, लेकिन बाकी जगहों पर यह एक बहुत विकट समस्या है। इन उद्देश्य को प्राप्त नहीं करने का एक कई कारण है उनमें से प्रमुख कारण अभियानों मे भ्रष्टाचार, अभियानों की निगरानी में कमी, समाज में व्याप्त विषमता, भारतीय नागरिकों को के व्यवहारों में बदलाव ना आना और समाज में स्वच्छता के संदर्भ में जागृति की कमी।

स्वच्छता की जो अहमियत हमारी पुरानी सभ्यताओं में दी गई थी वही अहमियत वर्तमान समय में समाज के लोगों को देने की जरूरत है सरकारी अभियान की सफलता हमारी और आपकी इस अभियान में रुचि और उस अभियान को सफल बनाने में किए गए कार्य में हमारी कितनी दक्षता है इस पर निर्भर करता है . यदि समाज के सभी नागरिक अपनाअपना दायित्व - सफलतापूर्वक निर्वाह करेंगे तो स्वच्छ भारत अभियान की सफलता में कोई

संदेह नहीं होगा और यह स्वच्छता की जागरूकता हमें अपने तक ही नहीं अपने आने वाले नई पीढ़ी तक फैलानी है । हमें भी सरकार और संस्थाओं पर स्वच्छता की जिम्मेदारी ना डालकर अपने कर्तव्य को सही ढंग से निभाने के लिए आगे आना चाहिए और स्वच्छता को अपने जीवन शैली का अभिन्न अंग मानते हुए दृढ़ता के साथ अन्य के लिए एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए।

~अमृत शुक्ला
वरिष्ठ प्रबंधक (संचार)

।। परिवर्तन की सुनामी ।।

सजग हुए हैं सब देश के निवासी अब
जैसे की सुनामी ने कहर बरपाया है
कूड़े करकट की खैर नही कहीं भी
स्वच्छ, अभियान, नव जीवन ले आया है।
कूड़े करकट की......................

बापू की जयंती, सन 2014 को
ऐसा ही महान ऐलान कोई लाया है
नर-नारी व्यापारी, सरकारी कर्मचारी
सबने मिल कर यह लक्ष्य उठाया है।
कूड़े करकट की......................

आपका देश फिर सोने की चिरैया बने
हारी व बीमारी कभी पास न भटके
जच्चा-बच्चा रहे स्वस्थ और मगन सब
ऐसे सपने को ही मिलके सजाया है।
कूड़े करकट की......................

गंगा यमुना हो चाहे गोमती की धारा हो
संगम की नगरी हो, चाहे वो किनारा हो
काशी नगरी को फिर से स्वर्ग बनाना हो
ऐसा संकल्प दृढ़ होकर उठाया है।
कूड़े करकट की......................

तन-मन और घर, सबको विमल करें,
स्वर्ग लाए धरती पर ऐसा ही कर्म करें
पेरिस, व जापान बने हिन्दोस्तान अब
भारत के सपूत ने यह सपना दिखाया है।
कूड़े करकट की......................

सभी खुशहाल हो, हिन्दोस्तान महान हो
बापू जी का सपना, सच में साकार हो
खुशियों की खुशबू से महके हर आंगन
ऐसा मूल मंत्र सब को ही बतलाया है।
कूड़े करकट की...................

~ सरिता
पुत्री श्री राम केवल, सहायक (मा.सं.)

Clean India, Green India

Bring the Change, you want to see in the world.

—Mahatma Gandhi

Let's see what does this sentence mean, it means that if we will keep our surroundings clean, we will have green surroundings.

But, can it be done alone? Absolutely not. We the citizens of our country India have to make it clean and green.

To make a clean country, we have to make our home clean, then our area, then our city, then our state and after that we will have a clean India. And, clean India means, GREEN India. Green here, doesn't mean the colour green, it means our biosphere, our environment and surroundings.

One of the basic necessities of life is to keep yourself and your surroundings clean. If a country is clean, then the citizens are healthy and this leads to a healthy nation. Cleanliness directly impacts the development and success of a country. To make our environment healthy and free from pollution, we must practice keeping our surroundings clean by not doing the activities that pollute the environment.

The disposal of garbage and waste material on streets and roads poses serious threats to mankind. Also, it makes our country aesthetically ugly. People and other living beings present on the earth start falling ill due to unhealthy surroundings. Therefore, it's the need of an hour to make India clean and green.

The Clean India Green India slogan states that if we try to keep our India clean it will become green by cleaning our environment and surroundings then only, we all will be able to get a good surrounding of greenery like trees, grass and various small plants and many more.

With this Clean India Green India mission, we mainly focus on to stop the deforestation and increase the number of trees in India to decrease the pollution as the trees help in reducing the pollution. We must increase the natural environment by reducing the process of cutting trees, that is, by promoting lesser use of raw material from the forest and increasing the number of trees by growing small plants if we want to bring a change in our country. "Cleanliness is Godliness" is the mantra of Mahatma Gandhi, Father of Nation.

The Swachhata Mission is integrated with Swachh Bharat Abhiyan towards realizing his vision. India's current Prime Minister, Narendra Modi initiated the cleanliness drive to fulfil Mahatma Gandhi's dream of a clean and hygienic India. He gave the mantra of 'Na gandagi karenge, Na karne denge'. Swachh Bharat Abhiyan (SBA) or Swachh Bharat Mission (SBM) is a nation-wide campaign in India for the period 2014 to 2019 that aims to clean up the streets, roads and infrastructure of India's cities, towns, and rural areas. The greenery in India has a major importance as it helps in the development of the nation and also reducing the pollution in the air and also reduces the disasters in the nation. The forest cover helps in maintaining the ecological balance of the nation. People have taken seriously about the cleanliness of India and they clean the environment every day and also dispose the garbage in a correct manner, and also they have taken the Global Warming as a serious problem and also started growing plants and trees around them to prevent relation from global warming as the trees helps to overcome the number of greenhouse gases in the air. There are various developments in the forest cover and also increase the number of trees in the cities to fight against the various environmental problems.

We all know the beginning of anything needs a kick start. The best way to begin this cleanliness drive is with our own house, room, kitchen and society. The next important priority is preserving the greenery. Together we all can definitely make a difference. Mass forestation drive, and stopping the use of fossil fuels altogether can solve this problem. We can use other alternative fuels available. The government also plays an important role in keeping India clean and green. It must act strictly and take measures to prevent India. There should be a ban on fossil fuels. The government must create forest belt near every city or town. It can regularize Toxic emissions of industries Installation of toxic smoke and effluents treatment plants must be mandatory at every industrial unit. By not cutting tree, we can easily increase greenery which further avoids desertification. It reduces air pollution and leads to cleaner and purer air. In addition to minimizing Global Warming, it also increases content in oxygen in environment.

The Clean India Movement is launched by the government employed. The government began sanctioning loans to support the purpose of building toilets. In addition to that, they also subsidised the cost of the required materials and connected the borrowers to contractors so that they could finish the process. Not only this, but the Indian government has altered its economic and energy policies to become more environmentally responsible. Renewable energy sources are being subsidised while small hydropower projects are being undertaken to power rural areas. Recently, some state governments took charge of the war on climate change and banned the sale of firecrackers in the face of Diwali. We as humans can take care of few basic steps like carrying a recycle bag when we go out of our house and not throw garbage here and there.

This will reduce consumption of disposable bags. Similarly, we can encourage the use of reusable bottles, cups etc. Also, do your best to ensure that the waste you dispose of ends up where it should. Recycle the materials that are recyclable in your area and make sure to reduce the likelihood of your garbage ending up in the environment by keeping a lid on your trash can when it's outside. Compost. Composting at home reduces the volume of garbage sent to landfills and reduces the chance of some products becoming marine debris.

With an unhealthy environment, we can face many problems that affect the whole ecosystem and others around. We all know the adverse effects of air pollution, acid rain and other problems. If environment is not clean, humans can never be healthy. As individuals we have the potential to make a big difference and together, we can change the world. Once our India becomes cleaner and greener, it will be beneficial not only for us but for our future generations too. We and the coming generation will be able to live in a purer and healthier environment. This will be our best gift to them as well as us. Let's aim for a better, cleaner and greener India and work together to achieve it.

Snigdha Dey
D/o Subhan Dey, AGM (ATC)

UNIVERSAL ACCESS TO MASKS AND SANITIZERS IN INDIA: A STEP TOWARDS MAINTAINING PUBLIC HYGIENE

Maintaining proper hygiene has always been considered an essential condition for having good health. Nowadays, with the ongoing pandemic, the importance of hygiene has further increased by leaps and bounds. It has been viewed by many health experts as a one-stop solution to prevent the spread of the coronavirus until a medical cure can be found.

In order to maintain proper hygiene, especially in the public spaces, masks, and sanitizers have emerged as front runners. Since maintaining public hygiene by using masks and sanitizers, not only saves the person maintaining such hygiene but also others, therefore, it is necessary to make these lifesaving tools universally available. However, access to these tools is not available to everyone in India, especially in the lower strata of society. Further, the availability of these tools in the remote areas of the country is also deplorable. This, along with the lack of education (regarding the importance of hygiene), is considered by many as a key factor responsible for the sky-rocketing numbers of the infected in the country.

Therefore, the governments, both the central and the state, should take necessary steps to make these tools readily available to all the citizens as far as possible. We must keep in mind that India is a signatory to the charters of the UDHR (Universal Declaration of Human Rights) & the ICESCR. Articles 25 and 12 of these conventions declare the right to health to be a human right. Since access to these tools is essential for maintaining public hygiene and thereby good health, therefore, these tools must be considered imperative to achieve the ends of these articles.

Access to masks and sanitizers by citizens will help to maintain public hygiene and to curb the spread of the virus. Countries like Austria and Belgium are in-fact providing masks and sanitizers free of cost. Any such step, if taken in India, especially for the poor and needy, will help prevention of the disease at a faster rate .

.~ Shashwat Bhutani
S/o Smt. Suman Bhutani, JGM (CNS)

कविताएं

आओ मिलकर कदम बढ़ायें

स्वच्छता हो इस देश की पहचान
स्वच्छता से बढ़ायें देश का मान
करें प्रयास लगा के जी और जान
करें स्वच्छ अपना देश
मिलकर मुहिम चलाएंगे
न रुकेंगे न थकेंगे कभी
कदम से कदम मिलायेंगे
पूरा करें बापू का सपना
स्वच्छ हो घर अपना |

बड़ों का स्वच्छता संदेश

घर, घर हो स्वच्छता का वास
पाठ पढ़ाये हमको माँ और सास
तब जा कर लक्ष्मी जी करें निवास
आओ मिलकर करें साकार
स्वच्छता का यह नारा
"मान लो तुम सब ये कहना
स्वछता हो ,इस कुटुंब का गहना"

~सुरेश मौर्य
सहायक प्रबन्धक (संचार)

शिव मांगें वचन

कल रात स्वप्न में शिव आए
कुछ रुष्ट रुष्ट वे नज़र आए
मैं तो पुलकित आनंद भरी
दर्शन पाकर भव से ही तरी
पर आशुतोष को देख रुष्ट
भर अश्रु पूछा,"क्या हुआ इष्ट"
"क्यों ये चंद्र मुख है रोष पूर्ण
क्या मेरी आराधना है दोषपूर्ण?
क्या अभिषेक का दुग्ध दही
बिल्व धतूरा थे नहीं सही?
बहती नदिया सा अर्पित जल
क्यों ना कर पाया तुमको शीतल?"
शिव देख मेरा मुख यूँ बोले
मेरे भक्त तो मुझसे भी भोले
पूजते हो तुम सब मुझको पर
क्यों छोड़ नहीं पाते आडम्बर?
दूध दही की नदिया बहाते हो
जल से भर भर नहलाते हो
कितने ही मेवे फल चढ़ाते हो
पर उस भूखे को दे ना पाते हो
हाँ,वही दीन जिसे दूर भगाते हो
वो भी है शिव समझ न पाते हो

तुमको दी मैंने ये सुंदर धरती
जो तुमने पल में मलिन करदी
जहाँ उगते थे सुंदर फूल कभी
वहाँ तुमने क्यों प्लास्टिक भर दी?

जलधि को भी जल हीन किया
सागर जीवों का जीवन छीन लिया
फिर भी तुम क्यों इतना इतराते हो
खुद को मेरा उत्कट भक्त बताते हो

तुम सबकी पीड़ा मैं हरण करूँ
घोर हलाहल का मैं वरण करूँ
पर आज शिव भी मांगे एक वचन
फिर शुद्ध करो ये जल ये पवन,
फिर निश्चल प्रेम से भर लो मन,
हर जन में करो तुम शिव दर्शन ।
जो तुम पूर्ण करो ये वचन सभी
कहलाओगे सच्चे शिव भक्त तभी!

~स्मृति गुप्ता
कनि. कार्यपालक (मा.सं.)

।। फिर वही पुकार।।

हे साहब। समय पुकार रहा
वादे की याद दिला रहा
आज नहीं कल करते-करते
वर्षों से जंग खाय रहा।
हे साहब। समय पुकार रहा।।

घर में मकड़ी के जाले हैं
छत पर पड़े कूड़े कबाड़े हैं
रैकों में रखी किताबों को
दीमक चाटता जाय रहा।
आज नहीं कल करते-करते
वर्षों से जंग खाय रहा।

हे साहब। समय पुकार रहा।।
बिस्तर में नमी बनी ही रही
कभी धूप नहीं उसे मिल पाई
तस्वीरों में धूल की पर्त जमी
पंखा कूलर खिसियाइ रहे।
आज नही कल करते-करते
वर्षों से जंग खाय रहा।
हे साहब। समय पुकार रहा।।

घर में पौधे झुलसाए पड़े
बिनु पानी प्यास बुझाये खड़े
कुर्सी मेज और अलमारी का
कलर बदलता जाय रहा।
आज नहीं कल करते-करते
वर्षों से जंग खाय रहा।
हे साहब। समय पुकार रहा।।

बच्चे घर में खुराफात करें
और कोरोना की ही बात करें
ऐसी महामारी वो फैलाया
जो सबको कैद कराय रहा
आज नहीं कल करते-करते
वर्षों से जंग खाय रहा।
हे साहब। समय पुकार रहा।।

~श्रीमती निर्मला देवी
पत्नी श्री रामकेवल, सहायक (मा.सं.)

।। अब आ रही है स्वच्छता ।।

अपने पैरों में टंकार लिए
हाथों में अपने मशाल लिए
रौंद रही है दुर्गम पथ को
लक्ष्य भरा अभियान लिए
अब आ रही है स्वच्छता।

कंचन कला न्योछावर करती
गौरव गाथा सब को सुनाती
मोड़-तोड़ गलियारों में भी
जो भी सोए हैं उन्हें जगाने
अब आ रही है स्वच्छता।

हर जगह कुंज के कोनों में
हर गाँवों के गलियारों में
नदी-नहर और तालाबों में
दूषित जल को स्वच्छ बनाने
अब आ रही है स्वच्छता।

जच्चा-बच्चा को स्वस्थ कराने
हर वायरस को दूर भगाने
स्वर्णिम युग को वापस लाने
फिर से भारत को स्वर्ग बनाने
अब आ रही है स्वच्छता।

गाँधी जी का सपना भी था
मोदी जी का संकल्प भी है
जन-जन की भी यही पुकार
बनाने को हिन्दुस्तान महान
अब आ रही है स्वच्छता।

~राम केवल
सहायक (मा.सं.)

'स्वच्छ भारत अभियान'

आओ बच्चों तुम्हें बताएं,
महत्ता कचरादान की ।
शहर-गली में चर्चा है,
स्वच्छ भारत अभियान की ।
बिना प्रबंधन फैले बीमारी,
जो दुश्मन सबके जान की ।
उचित प्रबंधन खाद बनाता,
करता वो मदद किसान की ।
कपड़े की झोली विकल्प है,
पॉलीथीन की थैली का ।
लहर चल रही सभी ओर अब,
मोदी के अभियान की ।
शौचालय के लाभ समझना,
जरूरत हर इंसान की ।
कंधों पे अपने निर्भर है,
सफलता इस अभियान की ।
आओं बच्चों तुम्हें बताएं,
महत्ता कचरादान की ।
शहर-गली में चर्चा है,
स्वच्छ भारत अभियान की ।

~विनीता स्वर्णकार
पत्नी श्री जितेंद्र स्वर्णकार, स.प्र. (पी.ए.)

स्वच्छ भारत अभियान: एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता: स्वच्छता से अभिप्राय साफ और सुथरे से है। स्वच्छता दो प्रकार की होती है।

स्वच्छता

व्यक्तिगत स्वच्छता | **सार्वजनिक स्वच्छता**

व्यक्तिगत स्वच्छता तो सभी रखते हैं। स्वच्छ भारत अभियान सरकार द्वारा सार्वजनिक स्वच्छता के लिए शुरू किया गया।

भारत देश कभी सोने की चिड़िया कहलाता था। हमारा देश आज भी पूरी दुनियाँ में अपनी वैभव और संस्कृति के लिए जाना जाता है। परन्तु हमारे देश में स्वच्छता पर जरा भी ध्यान नहीं दिया जाता है। आपने देखा होगा कि देश का कोई भी बड़ा शहर हो या गाँव वहाँ कूड़े-करकट की कमी नहीं है।

हमारे देश के विकास में बाधा का एक प्रमुख कारण गन्दगी है। स्वच्छ भारत अभियान सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया। क्योंकि गाँधी जी का सपना था कि हमारा देश भी विदेशों की तरह पूर्ण स्वच्छ दिखाई दे। इसलिए इस अभियान की शुरुआत राष्ट्रपिता के जन्मदिवस पर की गयी। स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है। हमारे देश के स्वच्छ नहीं होनें का कारण आप और हम हैं। और भी कई कारण हैं, जो इस प्रकार हैं।

1. शिक्षा का अभाव
2. खराब मानसिकता
3. ग्रामीण क्षेत्र के घरों में शौचालय का न होना ।
4. अत्याधिक जनसंख्या
5. कचरे के सही निस्तारण का अभाव ।

हमारे देश को स्वच्छ रखने की शुरुआत हमें और आपको आज से ही करनी होगी क्योंकि जब तक हम लोग जागरूक नहीं होंगे तब तक हमारा देश पूर्णतः स्वच्छ नहीं होगा।

"जन-जन का एक हो नारा
सुन्दर स्वच्छ हो देश हमारा"

स्वच्छ भारत मिशन का नाम पहले 'निर्मल भारत अभियान' था इस स्वच्छता अभियान के दो भाग हैं।

1. स्वच्छ भारत ग्रामीण
2. स्वच्छ भारत शहरी

इस अभियान के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लिए अलग-अलग सिस्टम बनाया गया है। स्वच्छ भारत अभियान पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा कराया जा रहा है। स्वच्छ भारत अभियान प्रधानमंत्री मोदी एवं भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस अभियान के तहत सरकारी कर्मचारी व स्कूल-कॉलेज के छात्र शामिल हैं। इस अभियान को शुरू करने के साथ एक टैगलाइन भी जारी की गई है।

"एक कदम स्वच्छता की ओर"

स्वच्छ भारत अभियान का लक्ष्य भारत के सभी शहरों व गाँवों में शौचालय बनवाना, कचरे का सही निस्तारण करना, डिस्पोजल का उपयोग व ठोस कचरे की रिसाइक्लिंग करना है। इन सभी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए बहुत सारी योजनाएँ भी चलाई गयी हैं। स्वच्छ भारत योजना ते तहत स्वास्थ्य शिक्षा माध्यम से स्वच्छता सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा, लोगों में सफाई के प्रति जागरूकता फैलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य जीवन स्तर में सुधार होगा।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत एक स्वच्छता ऐप भी जारी किया गया है जिसके माध्यम से हम सभी लोग अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनानें में सहयोग कर सकते हैं।

"आपको व हमको ही आगे आना है,
मिलकर अपनें देश को सुन्दर व
स्वच्छ बनाना है"

~श्रीमती महिमा सिंह
पत्नी श्री दल बहादुर सिंह, प्रबन्धक (संचार)

Report on SWACCH SURVEKSHAN 2020

What is Swachh Survekshan?

Swachh Survekshan is a ranking exercise taken up by the Government of India to assess rural and urban areas for their levels of cleanliness and active implementation of Swachhata mission initiatives in a timely and innovative manner.
The objective of the survey is to encourage large scale citizen participation and create awareness amongst all sections of society about the importance of working together towards making towns and cities a better place to live in. Additionally, the survey also intends to foster a spirit of healthy competition among towns and cities to improve their service delivery to citizens, towards creating cleaner cities and towns.

Ranking of 2020

Union Housing and Urban Affairs Minister Hardeep Singh Puri on 20th Aug 2020 announced the results of the annual survey of cleanliness, Swachh Survekshan 2020, at the virtual event 'Swachh Mahotsav' where 129 awards were given in different categories. Madhya Pradesh's Indore clinched the cleanest city title for the fourth time in a row. Gujarat's Surat and Maharashtra's Navi Mumbai grabbed the second and third positions respectively.

The survey was conducted in the country's urban areas from January 4, 2020, to January 31, 2020, in 4,242 ULBs (Urban Local Bodies), making it that the world's largest cleanliness survey.

Top 10 cleanest and dirtiest cities with population between 1 and 10 lakh.

Ranking	Cleanest cities	Dirtiest cities
01	Ambikapur	Gaya
02	Mysore	Buxar
03	New Delhi (NDMC)	Abohar
04	Chandrapur M	Bhagalpur
05	Khargone	Parsa Bazaar
06	Tirupati	Shillong
07	Jamshedpur	Itanagar

08	Gandhinagar	Dimapur
09	Dhule	Bihar Sharif
10	Rajnandgaon	Saharsa

Top 10 cleanest and dirtiest cities with population more than 10 lakh.

Ranking	Cleanest cities	Dirtiest cities
01	Indore	Patna
02	Surat	East Delhi
03	Navi Mumbai	Chennai
04	Vijayawada	Kota
05	Ahmedabad	North Delhi
06	Rajkot	Madurai
07	Bhopal	Meerut
08	Chandigarh	Coimbatore
09	GVMC Vishakhapatnam	Amritsar
10	Vadodara	Faridabad

Gainers

Chhattisgarh ranked first in the category of best performing states with more than a hundred urban local bodies, while Jharkhand emerged first in the less than one hundred ULBs category. Maharashtra performed a hat-trick by bagging maximum 'Swachh' awards for the third year in a row. In the category of cities with a population of less than 1 lakh, Karad city in Maharashtra bagged the first position, followed by Saswad and Lonavala. Akole bagged the award for adopting innovative steps for cleanliness.

Punjab's overall national ranking improved from to the Number Six in the fifth edition of the cleanliness survey. Last year, the state's national ranking was Number Seven. The state has also retained the first position in the North Zone for the third year in a row. In comparison to baseline

Swachh Survekshan 2017, 12 out of 16 Punjab cities with over 1 lakh population have improved their rankings. On average, out of the 434 cities with one lakh plus population in India, the ranking of these 16 bigger cities has improved by 100 places from 2017 to 2020.

Lacklustre performance

Bihar's Patna emerged as the dirtiest city in the category of bigger cities. For the cities with less than 10 lakh population, six cities from Bihar found its places in the dirtiest cities in the country. These include Gaya, Bhagalpur, Buxar, Parsa bazaar, Biharsharif and Saharsa.

Goa's capital Panaji took the at 213th spot out of 382 cities in its category at the national level. Mapusa was placed at the 235th position in the category of cities with a population between 25,000 and 50,000. The state's remaining municipal areas, with less than 25,000 population, were placed further down in the list.

~ Mohd. Danish
Jr. Executive (HR)

(Ref: Swacchta Survekshan 2020 Org.)

CLEANLINESS IS AN EFFORTLESS EXERCISE!!!!

Introduction:

Cleanliness is both the abstract state of being clean and free from germs, dirt, trash, or waste, and the habit of achieving and maintaining that state. Cleanliness is often achieved through cleaning. Cleanliness is a good quality, as indicated by the aphorism: "Cleanliness is next to Godliness" and may be regarded as contributing to other ideals such as 'health' and 'beauty'. The proverb 'cleanliness is next to godliness' expresses the idea that those who are pure and wholesome are close to God. When the proverb was put forward, in the 17th century, cleanliness (or clenlynesse or cleanlines as it was spelled then) referred to both moral purity and to personal hygiene.

Why Cleanliness is important?

Cleanliness is most important for physical well-being and a healthy environment. It has bearing on public and personal hygiene. It is essential for everyone to learn about cleanliness, hygiene, sanitation and the various diseases that are caused due to poor hygienic conditions. Cleanliness is the major step to a healthy living. Cleanliness can prevent and cure people from communicable diseases. Effective cleaning can forbid viruses and other infectious diseases.

Tips to maintain cleanliness:

Major tips to maintain Cleanliness personally include brushing and taking bath regularly, washing hands properly before and after every meal, maintaining neatly trimmed nails and eating healthy food.

Environmental cleanliness can be enhanced by cleaning the mess created around us regularly, avoiding plastic bag usage, not littering the road by throwing the garbage, effective disposal of used water, adopting reusing and recycling techniques and always monitoring the pollution levels.

Conclusion:

In conclusion, cleanliness is a huge responsibility that requires commitment. The impacts of a clean environment on the performance and achievements should be a motivating factor. If you love a clean place it should be your responsibility to make it clean.

"Let's pick a positive shade of tryst,

From the nature's love and mist

It's a hope to raise the blooms

All the clean India in greenish rooms."

~ Govinda Kumar Gupta
AGM (CNS)

कविता लेखन प्रतियोगिता में पुरस्कृत कविताएं

शीर्षक : हरियाली अपनाओ, भारत को स्वच्छ बनाओ

धरती की बस यही पुकार,
पेड़ लगाओ बारम्बार।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं,
अपनी धरती हरित बनाएं।।

धरती पर हरियाली हो,
जीवन में खुशहाली हो।
जन-जन का बस यही हो सपना,
स्वच्छ रहे घर आँगन अपना।।

जब स्वच्छ रहेगा घर आँगन,
उपवन सुन्दर हो जाएगा।
पक्षी बैठेंगे डाली पर,
भौंरा भी गीत सुनाएगा।।

वृक्ष लगाकर जग महकाकर,
गाँव शहर को स्वच्छ बनाकर।
जीवन सुखी बनाएं हम,
आओ पेड़ लगाएं हम।
भारत को स्वच्छ बनाएं हम।।

धर्मेन्द्र कुमार
प्रबंधक (एटीसी)
प्रथम पुरस्कार

शीर्षक : हरियाली अपनाओ, भारत को स्वच्छ बनाओ

कश्मीर से कन्याकुमारी
उठ रही है एक आवाज
''हरियाली अपनाओ भारत को स्वच्छ बनाओ''

गाँव गाँव में चुल्हा चौकी
गोबर मिट्टी की लेप चढ़े
आँवला, पीपल, बरगद पर
मनुष्यों द्वारा फूल चढ़े ।

करे वंदना हम प्रकृति की
रखे ध्यान जल, भूमि और वायु की
वरूण, वायु, पृथ्वी को पूजें
चिर काल से ये हमारी पहचान बनें ।

तुलसी-नीम करे वायु शुद्ध
वृक्षा रोपण कर बजंर भूमि को भी
पशु-पक्षियों का आश्रय बनाये भव्य
मिले प्राण वायु हरियाली से
रखें स्वच्छ हम धरती को ।

स्वच्छता हमने सीखी अपनी माँ से
माँ ने सीखी नानी से
स्वच्छ आहार, विचार और व्यवहार
करे वातावरण स्वच्छ
तभी तो भारत माँ करे हमारा पोषण
हरियाली दे प्राणवायु
स्वच्छता दे दीर्घ आयु ।

प्रमोद कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक (एटीएम)
द्वितीय पुरस्कार

Title: Go Green, to get India Clean

Green India, clean India,
We should rejoice Pan India,
Plant saplings, give life to India,
More plants, oxygen rich India.

More forestation, soil erosion free India,
More flora & fauna, gives lively India,
No plastic garbage, makes healthy India,
Every citizen pledge, to save mother India.

Subhan Dey
AGM (ATC)

Third Prize

शीर्षक : हरियाली अपनाओ, भारत को स्वच्छ बनाओ

धरती की गोद हो रही सूनी,
वृक्ष कट रहे दिनों दिन,
प्रकृति से हरियाली दिन-दिन घटती
समय की पुकार है, मातृभूमि का कर्ज चुकाओ
हरियाली अपनाओ, भारत को स्वच्छ बनाओ।

विकास की अंधाधुंध दौड़ ने
मिट्टी, जल, वायु किया प्रदूषित
आओ, बापू के पथ पर चल कर
हरियाली अपनाओ, भारत को स्वच्छ बनाओ।।

ज्योतिरिन्दु कुमार
सहायक महाप्रबंधक (एटीसी)
सांत्वना पुरस्कार

लेख प्रतियोगिता में पुरस्कृत लेख

शीर्षक : स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत

परिचय-

स्वच्छ भारत अभियान को सरकार द्वारा देश की स्वच्छता के प्रतीक के रूप में पेश करना है। स्वच्छ भारत का सपना महात्मा गाँधी द्वारा देखा गया था जिसके संदर्भ में गाँधी ने कहा था "स्वच्छता स्वतंत्रता से ज्यादा आवश्यक है" उनके समय में वो देश की गरीबी और गंदगी से अच्छे से अवगत थे, इसी वजह से उन्होंने अपने सपनो को पाने हेतु कई सारे प्रयास किये, लेकिन सफल नहीं हो सके। जैसा कि उन्होनें स्वच्छ भारत का सपना देखा था, उन्होनें कहा कि निर्मलता और स्वच्छता दोनो ही स्वच्छ और स्वस्थ शांतिपूर्ण जीवन का अनिवार्य भाग है। किन्तु दुर्भाग्वश भारत आजादी के 73 वर्ष बाद भी इन दोनो लक्ष्यों से बहुत पीछे है। अगर आंकड़ों की बात करे तो केवल कुछ प्रतिशत लोगों के घरों में शौचालय है, इसीलिये भारत सरकार पूरी गंभीरता से बापू की इस सोच को हकीकत का रूप देने के लिये देश के सभी लोगो को इस मिशन से जोड़ने का प्रयास कर रही है, जिससे विश्व भर में ये सफल हो सके।

इस मिशन को अपने प्रारंभ की तिथि से बापू की 150 वीं पुण्यतिथि (2 अक्टूबर 2019) तक पूरा करने का लक्ष्य था। इस अभियान को सफल बनाने के लिये सरकार ने सभी लोंगो से निवेदन किया था कि वो अपने आस पास और सारी जगहों पर साल में सिर्फ 100 घंटे सफाई के लिये दें। इसको लागू करने के लिये बहुत सारी नीतियां एवं प्रक्रियाएं हैं। जिसमें तीन चरण हैं, योजना चरण, कार्यान्वन चरण और निरंतरता चरण।

स्वच्छ भारत हेतु अभियान क्या है-

यह अभियान एक राष्ट्रीय स्वच्छता मुहिम है, जो भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है, इसके तहत 4041 सांवैधानिक नगरों के सडक, पैदल मार्ग और अन्य कई स्थल आते हैं। ये एक वृहत आदोलन है, जिसके तहत भारत को पूर्णत: स्वच्छ बनाना है। इसमें स्वस्थ व सुखी जीवन के लिये महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को आगे बढ़ाया गया है। भारत के शहरी विकास तथा पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के तहत इस अभियान को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लागू किया गया है। इस मिशन का पहला स्वच्छता अभियान (25 सितंबर 2014) भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा इसके पहले शुरू किया जा चुका था। इसका उद्देश्य सफाई व्यावस्था की समस्या का समाधान निकालना साथ ही सभी को स्वच्छता की सुविधा के निर्माण द्वारा पूरे भारत में बेहतर मल प्रबंधन करना है,

स्वच्छ भारत अभियान की जरूरत-

अपने उद्देश्य की प्राप्ति तक भारत में इस मिशन की कार्यवाही निरंतर चलती रही जानी चाहिए। भौतिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक कल्याण के लिए भारत के लोगों में इसका एहसास होना बेहद आवश्यक है। यह सही मायनों में भारत की सामाजिक स्थिति को बढ़ावा देने के लिये है, जो हर तरफ स्वच्छता लाने से शुरू किया जा सकता है। यहां नीचे कुछ बिन्दु उल्लिखित किये जा रहे है, जो स्वच्छ भारत अभियान की आवश्यकता को दिखाते हैं,

- ग्रामीण क्षेत्रो को स्वच्छ बनाने के लिये 1999 में भारतीय सरकार द्वारा इससे पहले निर्मल भारत अभियान की स्थापना की गई थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को खुले मे शौच करने की मजबूरी से रोकना है, इसके लिये सरकार ने 11 करोड़ 11 लाख शौचालयों के निर्माण के लिए 1 लाख 34 हजार करोड़ की राशि खर्च करने की योजना बनाई है।
- सरकार ने कचरे को जैविक खाद् और इस्तेमाल करने लायक उर्जा में परिवर्तित करने हेतु भी योजनाएँ बनाई हैं। जिसमें ग्राम पंचायत, जिला परिषद और पंचायत समिति की भी भागीदारी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सोच-

खुद को स्वस्थ रखने की विधा पर लिखि गई दों पुस्तकों में स्वच्छता और साफ सफाई को लेकर देशों की मानसिकता का पता चलता है। साफ-सफाई को लेकर जापान की दीवानगी जगजाहिर है। यहाँ पर किसी रेस्तरां में अंदर जाने के लिये लोगों को पहनने हेतु खास पोशाक एवं चप्पलें दी जाती हैं।

जिंदगी पर भारी गंदगी-

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जैसे माचिस की एक तीली संपूर्ण दुनिया को स्वाहा रखने की ताकत रखती है उसी तरह बहुत सूक्ष्म मात्रा की गंदगी भी महामारी फैला सकती है। उदाहरण के लिये एक ग्राम मल में एक करोड़ विषाणु हो सकते हैं, दस लाख जीवाणु हो सकते हैं, एक हजार परजीवी हों सकते हैं और सौ परजीवियों के अंडे हो सकते हैं।

निष्कर्ष-

भारत तब तक स्वस्थ नहीं होगा। जब तक यह पूरी तरह से स्वच्छ नहीं होगा। क्योंकि स्वास्थ्य एक मायने में स्वच्छता का ही पर्याय है। जिस तरह हम अपने घर को साफ सुथरा रखते हैं, ठीक उसी तरह यदि हमारा देश स्वच्छ होगा तो देश को मुक्ति मिलेगी बीमारी से और देश में हर कोई स्वस्थ रहेगा। ''स्वच्छता मन से आती है।

अतएव सभी को स्वच्छता के बीज से उपजे स्वस्थ भारत की संकल्पना के लिये प्रयासरत होना चाहिये। इसी संदर्भ में कुछ लाइने अधोलिखित है।

स्वच्छ रहेंगें स्वस्थ रहेंगे।
चलाया उन्होंने स्वच्छता अभियान,
मेरा भारत महान।
लेते हैं, यह प्रण, गांव शहर को
स्वच्छ रखेंगे हम।
एक ओर रखेंगे साफ-सफाई का ध्यान,
तभी तो पूरा होगा यह स्वच्छता अभियान,
स्वच्छता से बीमारी को दूर,
होगें हम स्वच्छ जरूर।
साफ-सफाई का बजा डंका चहुँ ओर,
बड़ रहा स्वच्छता अभियान जोर-शोर।
नदी-नाला, तालाब होगा साफ एक समान,
तभी तो होगा मेरा भारत महान्।
मेरा भारत महान

विनीता स्वर्णकार
पत्नी श्री जितेंद्र स्वर्णकार, स.प्र. (पी.ए.)
प्रथम पुरस्कार

शीर्षक : स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को देश में जिस स्वच्छता की मुहिम चलाई थी, वह आज एक बड़े आंदोलन में बदल गयी है। जिसका सकारात्मक रूप भी दिखने लगा है।

अब भारत में स्वच्छता 2014 में 40% से बढ़कर सन् 2020 में 90% से अधिक हो चुका है। इस बदलाव के वाहक आप सभी है। जिन्होंने न केवल स्वच्छता के प्रति अपनी मानसिकता बदलते हुए इसकी संस्कृति अपनायी अपितु राष्ट्र और समाज को स्वस्थ व सशक्त करने की अपनी भूमिका का निर्वाह भी किया है। जिसका लाभ पूरे देश में दिखने लगा है। गन्दगी और प्रदूषण से होने वाली मौतो में काफी कमी आने के संकेत भी है। हमें रूकना नहीं है क्योंकि चुनौतियां भी कम नहीं है। संसाधनो से लेकर अचार-विचार और व्यवहार बदलने की जरूरत है।

खुद को स्वस्थ रखने की विधा पर लिखी गयी दो पुस्तकों में स्वच्छता और सफाई को लेकर और देशो की मानसिकता का पता चलता है। युरोप में सफाई के मायने ही अलग है साफ सफाई को लेकर जापान की दीवानगी जग जाहिर है।

स्वच्छता से जुड़ी भारतीय पौराणिक मान्यताएं बहुत ही वैज्ञानिक रही हैं। किसी भी कार्य से पहले हाथ धोना स्नान करना आदि के पीछे केवल धार्मिक मान्यता ही नहीं बल्कि इनके पीछे एक वैधानिक वैज्ञानिक सोच समझ भी होती है। भोजन करने से पहले हाथ धोने की कला भारतीयों से बेहतर कौन जानता है।

हम घर के प्रवेश द्वार पर ही अपने जूते चप्पल निकाल देते है। इसके पीछे धारणा है कि हम बाहर की गंदगी को अपने घर के सुरक्षित हिस्से तक नहीं पहुचाना चाहते। निजी साफ सफाई के बावजूद हमारी गालियाँ कूड़े से भरी रहती है। अपर्याप्त साफ सफाई एवं स्वच्छता के चलते लोगो की मृत्यु हो जाती है। बीमारियां होती है। पर्यावरण प्रदूषित होता है।

विश्व बैंक के शोध के अनुसार यदि शौचालय के प्रयोग में वृद्धि की जाए, स्वच्छता एवं साफ-सफाई के तरीके अपनाए जाएं तो स्वास्थ्य पर पड़ने वाले समस्त असर को 45% तक कम किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जैसे माचिस की तीली संपूर्ण दुनिया को जला सकती है उसी तरह बहुत छोटी मात्रा की गंदगी भी महामारी फैला सकती है।

अत: सभी लोग स्वच्छता में भागीदारी करके देश को स्वस्थ्य एवं समृद्ध बनाने में अपनी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह सुनिश्चित करें। क्योंकि देश जब स्वच्छ होगा तभी स्वस्थ होगा।

धर्मेन्द्र कुमार
प्रबंधक (एटीसी)
द्वितीय पुरस्कार

TITLE: SWACHH BHARAT, SWASTH BHARAT

“Hygienic is prime for healthy life.
Take care of body, mind;
Depressing shouldn’t siege you in stripe,
in everything, joy, find”

Health and education are the fundamental pillars of human development. Cleanliness is both the abstract state of being clean and free from germs, dirt, trash or waste and the habit of achieving and maintaining that state. It is also any idea which states that those who are pure and wholesome are close to God. Cleanliness is both moral purity and personal hygienic which is important for physical wellbeing and a healthy environment.

Cleanliness and sanitation has emerged as a key issue since the 2011 Census which highlighted the glaring data on lack of toilets in the country by stating that over 26 million people in India defecate in open. Open defecation cause catastrophic effects on human health thereby compounding the problem of disease exposure and increase in water borne and vector borne diseases. Children and youth are often the most severely affected as by the virtue of their developing immune systems, they are affected by a host of illness and conditions ranging from physical & mental stunting to cholera & malnutrition. Improper waste management also writes a host of diseases that causes various airborne & water borne diseases and also have negative consequence on environment. Poor sanitation & waste disposal causes soil, water & air contamination. Many flies, sodants & mosquitoes continue their massive infestation on a garbage dumps and open litters and faeces hereby spreading diseases such as Hantavirus, Pulmonary syndrome, Leptospirosis, Rat bite fever & Salmonellosis.

The hazardous wastes spilling into environment cause fatal & cataclysmic impact on health viz. congenital malformations, neurological diseases, nausea, vomiting and in serious cases cancer. Therefore, proper waste management & cleanliness is the need of the hour. The strategy of reduction, recycle & reuse should be seriously implemented. Most importantly, household &

businesses should exercise waste minimization or waste avoidance. Landfills should be used for proper waste disposal & avoiding midden heaps which cause contamination.

Honorable Prime Minister Narendra Modi's call for Swachh Bharat Mission (SBM) is prudent as it aims for achieving the elimination of open defecation in the country. Among its other objectives are conversion of insanitary to pour flush toilets, putting an end to the inhuman practice of manual scavenging and carrying out Municipal Soil Waste Management (MSWM).

In conclusion cleanliness is an effort less exercise but indispensable for body and soul. By adopting simple practices of cleaning the mess regularly, avoiding plastic bag usage, recycling & reusing, we can give ourselves a beautiful country with healthy mankind.

"Let's pick a positive shade of tryst,
from nature's love and mist.
It's hope to raise the blooms
All the clean India in greenish rooms"

Divya Kumari
AM (ATC)
Third Price

Title : Clean India, Healthy India

India is fast emerging as a world super power. We are the world's largest democracy in terms of population. We have an ancient culture and tradition dating back centuries. Indian Aryabhatta invented Zero. Susruta Samhita is a medical journal of the Vedic period, which still has relevance in today's modern times. We have had renowned writes poets and musicians like Kalidasa, Tansen and Rabindranath Tagore. I can continue to recount India's achievement and glory both past and present but today's foremost problem is unclean India.

We can see huge garbage heaps in every town, village and city.

Some few years back, Surat a City in Gujarat was struck by plague due to the rats infested garbage heaps. Thank goodness, the town woke up and today the city is spick and span.

A clean India will definitely be a healthy India. Malaria, dengue and various other diseases which spread through insects are caused due to unsanitary conditions of our towns and villages.

Every human should uphold the proverb "Cleanliness is next to godliness" and by doing so, they will thrive too maintaining a clean surrounding and a fresh mind and body leads to a successful life. Our body and mind is our holy shine. Keeping it clean helps in bringing spirituality and concentration.

Question : Why is it considered that cleanliness is next to Godliness?

Answer : It is believed that when a person lives in a clean environment, he has a clear mind and body, which helps in bringing positivity and thus brings one close to God.

This journey starts from cleanliness of clothes, body and surroundings. Everything around us should be clean and beautiful. For which, Addison says "Beauty produces love, but Cleanliness preserves it".

It is up to the local people to pressurise the local government to take up cleanliness drives. A government can do so much but it is up to the citizens also to maintain cleanliness. We should not litter on roads and lanes. The ban on plastic bags should be strictly followed. Drains are clogged by plastic causing stagnant water.

Our Prime Minister Narendra Modi has started a Swachh Bharat campaign. We should support him on this endeavors. His government has promised to build toilets so that people are not seen defecating in the open. Even today 59% of the population uses open spaces to defecate. In recent years, NGOs and private individuals have joined hands to start an embarrassment and ridicule campaign. In Mumbai, masked vigilantes turned water hoses on people caught urinating in public.

A few lines that are a few when save but have a meaning of a world.

1. Keeping yourself clean will improve our lifestyle and soul.
2. Our daily clean upstarts with the simple process of brushing teeth and bathing.

Not only the Prime Minister but also children and the adults should know about the main aim of cleaning India should support them too. If there is clean India then only there will be healthy living of the people.

So we can say that if there is the Clean India then there will be a Healthy India.

Jitendra Swarnkar
AM (PA)
Consolation Price

पोस्टर

मास्टर आकर्ष सिंह
पुत्र श्री दल बहादुर सिंह, प्रबन्धक (संचार)

Divya
AM(ATC)

~मास्टर उत्कर्ष पाण्डेय
पुत्र देवकान्त पाण्डेय, स.प्र. (राजभाषा)

डॉ. रंजिनी पाण्डेय
पत्नी श्री देवकान्त पाण्डेय, स.प्र. (राजभाषा)

SOCIAL MEDIA OUTREACH

Tweet

Principal CATC(AAI) @PCATCAAI

Participate in our "स्वच्छता पर सुविचार" contest and share your ideas and thoughts about maintaining Swachhta and tag us with your selfies. @AAI_Official @aaiprayagraj @swachhbharat #selfiepoint #iamswachhtawarrior #swacchtawarrior

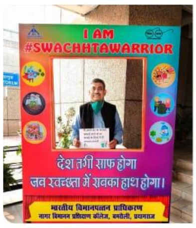

2:45 PM · 07 Nov 20 · Twitter for Android

Tweet

Principal CATC(AAI) @PCATCAAI

More than 80 participants of Kendriya Vidyalay (@kvbamrauli and @kvmanauri) participated in the Online Poster Competition conducted during #swacchtapakhwada for class 6th to 8th students. @AAI_Official @swachhbharat #SwachhBharatMission #swacchtahisewa

Tweet

Principal CATC(AAI) @PCATCAAI

Coverage of Nukkad Natak organized by CATC for sensitizing public of Prayagraj during Swacchta Pakhwada going from 01st to 15th Nov 2020. @AAI_Official @swachhbharat @DM_PRAYAGRAJ @CommissionerPrg

स्वच्छता के लिए सीएटीसी की ओर हुआ नाट्य मंचन

सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहा पर नुक्कड़ नाटक करते कलाकार •जागरण

जासं, प्रयागराज : स्वच्छता पखवाड़ा-20 के अंतर्गत नागर विमानपत्तन प्रशिक्षण कॉलेज (सीएटीसी) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से 'हम बदले तो जग बदले' नुक्कड़ नाटक का मंचन सुभाष चौराहे पर किया गया। इसमें रंगकर्मियों ने स्वच्छता और कोरोना का सामंजस्य स्थापित किया। निर्देशन सचिन चंद्रा ने किया। उद्घोषक राहुल चावला और कलाकारों में लवकुश भारतीय, रोहित बाजपेई, रिशु प्रत्यूष वार्ष्णेय, बृजेंद्र कुमार और मोहम्मद साजिद रहे। छह नवंबर को सिविल लाइंस स्थित बस अड्डे पर मंचन होगा।

नुक्कड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

नागर विमानपत्तन प्रशिक्षण कॉलेज व भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से नुक्कड़ नाटक का मंचन

• सिविल लाइंस बस स्टैंड पर किया गया अवेयर.

PRAYAGRAJ (6 Nov): नागर विमानपत्तन प्रशिक्षण कॉलेज व भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा 2020 के अन्तर्गत शुक्रवार को नुक्कड़ नाटक का मंचन हुआ.

सिविल लाइंस बस स्टैण्ड पर हुए नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को कोरोना संक्रमण से बचने और स्वच्छता को हमेशा अपनाने के लिए कलाकारों ने अपने अभिनय के जरिए जागरूक किया. कलाकारों ने हास्य और व्यंग्य के माध्यम से स्वच्छता और कोरोना का सामंजस्य स्थापित करते हुए लोगों को जागरूक किया. सिविल लाइंस बस स्टैंड पर हुए नुक्कड़ नाटक के मंचन के दौरान नागर विमानपत्तन प्रशिक्षण कॉलेज के कार्यपालक निदेशक अतुल दीक्षित एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सिविल लाइंस बस स्टैण्ड सीबी राम ने लोगों को स्वच्छता पर जोर देने की अपील की.

पोस्टर प्रतियोगिता में पुरस्कृत पोस्टर

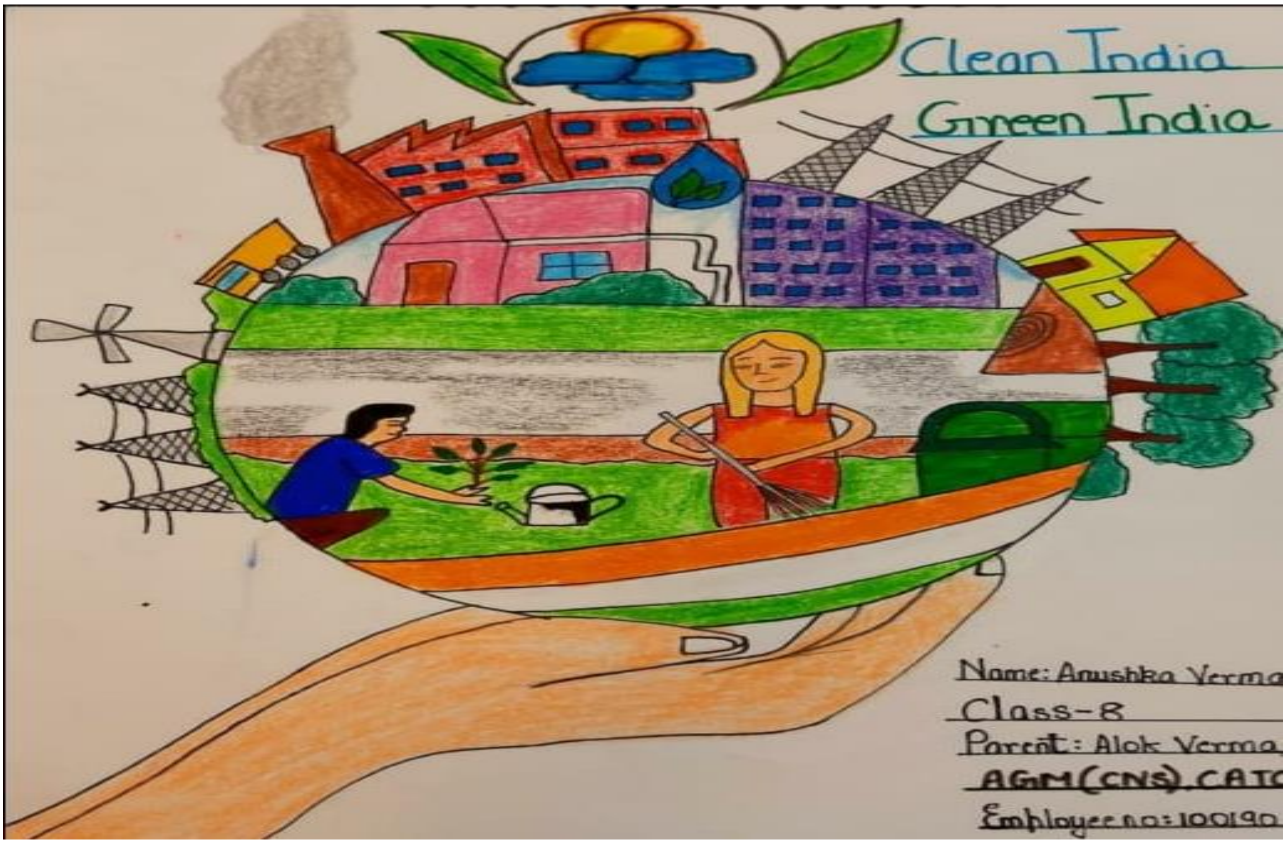

Anushka Verma
Class 8th
D/o Alok Verma, AGM (CNS)
First Prize

Arunav Das
S/0 Debashish Das, AGM (ATM)
Second Prize

Sansharee Rani Borgoyary
D/o Kennedy Borgoyary, AGM(ATM)
Third Prize

Samriddhi Swarnkar
D/0 Jitendra Swarnkar, A.M. (P.A.)
Consolation Prize

Monalisa Priyadarshani
Class VI-B, KV, Bamrauli
First Prize

Samaira W Lepcha
Class VIth 'C'
K.V., Bamrauli
2nd Prize

Raunak Soni
Class VIth- C
K.V., Bamrauli
3rd Prize

Anshika Verma
Class VII C
K.V. Manauri
First Prize

Roli Ratnakar
Class VIIth - A
KV, Manauri
Second Prize

Purnima Sengar
VI-C
K.V. Manauri
Third Prize

समापन समारोह/ Closing Ceremony

नागर विमानपत्तन प्रशिक्षण कॉलेज, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा 01/11/2020 से 15/11/2020 तक मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सीएटीसी प्रेक्षागृह में 11/11/2020 को आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में **श्री अशोक कुमार कनौजिया, अपर जिलाधिकारी (नगर), प्रयागराज** उपस्थित थे ।

सीएटीसी के कार्यपालक निदेशक श्री अतुल दीक्षित ने उनका स्वागत करते हुए कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एडीएम-सिटी ने अपने संबोधन में सीएटीसी द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा की प्रशंसा करते हुए स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि स्वच्छता को हमें अपनी आदत में लाने की जरूरत है। अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक श्री अतुल दीक्षित ने भी साफ-सफाई के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने घर-द्वार की सफाई से आगे बढ़कर गली, मुहल्ले और पूरे शहर की साफ सफाई के प्रति संवेदनशील होने की बात कही।

इस अवसर पर संगम ग्रुप द्वारा "हम बदले तो जग बदले" नामक जागरूकता नाटक का भी मंचन किया गया जिसे दर्शकों ने खूब सराहा । साथ ही आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया एवं **स्वच्छता पखवाड़ा ई. पत्रिका-तीसरा अंक** का विमोचन भी किया गया ।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सीएनएस) श्री शरणागत श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (एटीएम) श्री विक्रम कपूर सहित सभी विभागाध्यक्ष व अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

स्वच्छ सीएटीसी परिसर

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

नागर विमानन प्रशिक्षण कॉलेज

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

बमरौली, प्रयागराज